

प्रजल्प (von जल्प् mit प्र) m. *Geschwätz, unbesonnene Worte* (insbes. bei der Begrüßung eines Geliebten): घसूयेर्यमदयुजा यो ऽवधीरणमुद्रया । प्रियस्य कैशलोद्धारः प्रजल्पः स तु कथ्यते ॥ UśśVALANILAMANI im ÇKDB.

प्रजल्पन (wie eben) n. *das Reden, Sprechen* PAKĪAT. 85, 21.

प्रजर्व (von 1. जू mit प्र) m. *Eile*: वार्तस्येव प्रजर्वो नान्येन स्तोमो वसिष्ठा घन्वेतवे वः RV. 7, 33, 8. Nir. 13, 13.

प्रजर्वम् (wie eben) absol. *eilends*: प्रजर्वं वा हस्तेन यस्ति यदशममकः TS. 7, 3, 1, 1.

प्रजर्वन् (wie eben) adj. *eilend, sich rasch bewegend, schnell* P. 3, 2, 156. AK. 2, 8, 2, 41. KATHĀS. 30, 4.

प्रजम् am Ende eines adj. comp. = प्रजा P. 5, 4, 122. Vop. 6, 26; vgl. घ० (auch JĀGŪ. 2, 144. fg.), इ० TS. 1, 3, 6, 1. ड०प्रजम्, वज्र०, सु०. Für प्रजान्तस्य (dessen Nachkommenschaft) विवर्धते MBu. 13, 6062 ist wohl प्रजा त० zu lesen.

प्रजहति s. कृ, जहति mit प्र.

प्रजा (von जन् mit प्र) f. P. 3, 2, 99. Sch. 1) *Nachkommenschaft, Kinder und Kindeskinde, Familie* AK. 3, 4, 2, 34. H. 543. an. 2, 72. MED. 2. 12. प्र जायेमहि प्रजाभिः RV. 2, 33, 1. प्रजां वष्टा वि व्युत् नानिमस्मे 3, 9. प्रजामयन्त्यं वलमिच्छमानः 1, 179, 6. प्रजाभिर्ग्रे धमृतत्वमश्याम् 5, 4, 10. 7, 33, 10. उप प्रजायै गृणते वयो धुः 36, 9. मा नः प्रजा रीरियो मोत वीगान् 10, 18, 1. 93, 18. AV. 2, 7, 4. 14, 2, 14. प्रजा कृणवायाम् 37. घातन् प्रजा 5, 29, 6. 3, 13, 7. ÇAT. Br. 2, 3, 2, 25. AIT. Br. 7, 29. विद्वांसः प्रजां न कामयन्ते ÇAT. Br. 14, 7, 2, 26. घृणो मुञ्चामि न प्रजाम् so v. a. Samen VS. 4, 13. — प्रजा पशुमती RV. 5, 41, 17. प्रजा und धन Leute (Familie) und Habe AV. 8, 5, 16. 7, 33, 1. 81, 3. प्रजा, पशु 9, 6, 34. 11, 1, 17. 12, 4, 2. AIT. Br. 1, 1. ÇAT. Br. 2, 4, 3, 1. प्र जायते वीरुधं प्रजाभिः Nachwuchs RV. 2, 33, 8. — घस्य वीराः प्रजायामाजायन्ते ÇĀKĪ. Çr. 16, 23, 6. ĀÇV. GRUJ. 1, 5. KĀND. UP. 1, 9, 3. — घनिन्दितैः स्त्रीविवर्द्धिर्नान्धा भवति प्रजां M. 3, 42. 277. 4, 219. 229. 5, 162. 9, 45. 59. 195. JĀGŪ. 1, 269. MBu. 1, 2440. RAGH. 1, 7. (लभते) आचारादीप्सिताः प्रजाः M. 4, 156. 189. 11, 40. R. 2, 43, 5 (43, 5 GORR.). ÇĀK. 102. RAGH. 2, 73. पश्यतो वकमूर्खस्य ननुलेन कृता प्रजाः Spr. 493, v. 1. Am Ende eines adj. comp. (f. घ्रा): घप्रज (s. auch bes.) MBu. 1, 4654. BŪG. P. 6, 14, 40. 55. 18, 18. 9, 1, 13. 9, 38. सु० 6, 14, 40. H. GORR. 2, 72, 18. स० RAGH. 4, 3. मृतप्रजा M. 9, 81. BŪG. P. 6, 19, 25. वज्र० MBu. 13, 4229. R. 1, 6, 6. धृत्० RAGH. 13, 87. 1, 65. BŪG. P. 1, 9, 13. विष्णुप्रजाया इव देवमातुः 3, 1, 33. वृथाप्रजा MĀK. P. 22, 42. — 2) *Geschöpf überh., Creatur; bes. die Menschen; Leute, Unterthanen* (eines Stammhauptes oder Fürsten), Volk AK. H. 501. H. an. MED. HALĀJ. 2, 129. प्राज्ञागवाहू भवनस्य प्रजाभ्यः RV. 4, 53, 4. अज्ञाजिन ओषधीर्भोजनाय कमृत प्रजाभ्यो ऽविदो मनीषाम् 5, 83, 10. ददात नो घमृतस्य प्रजायै *figet uns hinzu zum Volk der Ewigkeit d. h. zu den Seligen* 7, 57, 6. प्रजायै कमृतं नार्चणीत 10, 13, 4. 54, 1. मृत्युः प्रजानामधिपतिः AV. 5, 24, 13. प्रजार्पतिर्जनयति प्रजा इमाः 7, 19, 1. 9, 1, 1. 11, 4, 19. 12, 1, 16. प्रजा ज्ञातृणी 5, 19, 1. यातुधानस्य Brut AV. 4, 8, 3. कृत्याकृतः 10, 1, 19. 11, 2, 21. अमुते क प्रजानामिष्यमाधिपत्यम् AIT. Br. 7, 20. TS. 3, 1, 2, 1. ÇAT. Br. 2, 4, 2, 2. 5, 2, 1. देव्यः, आसुर्यः 13, 8, 2, 5. शरीरात्स्वात्समनुर्विधाः प्रजाः M. 1, 8. 25. 26. 34. पतीन्प्रजानाम् ebend. RAGH. 3, 27. दत्तात्प्रजानो सजः Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 506, Çl. 22. प्रजाः सर्वाः M.

7, 18, 19. प्रजा इव चतुर्विधाः (Brahmanen u. s. w.) MBu. 1, 649. HARIV. 11818. कुशलं प्रजानाम् TRĪK. 1, 1, 1. नृप्रजाः *die Menschenkinder* Spr. 313. प्रजानां रक्षणम् (des Königs Pflicht) M. 1, 39. 5, 94. 7, 18. 36. N. 5, 42. SĪV. 1, 17. R. 1, 6, 4. 52, 7. ÇĀK. 150. RAGH. 1, 17. 63. 2, 1. Spr. 1329. 1829. fgg. VARĀH. BRH. S. 4, 32. 5, 98. 8, 9. 47, 81. उवाच रामो धर्मात्मा ताः प्रजाः स्वा इव प्रजाः R. 2, 45, 5. ÇĀK. 102. RAGH. 2, 73. प्रजां संरक्षति नृपः सा वर्धयति पार्थिवम् Spr. 1828. 2316. 2361. प्रजेयम् VARĀH. BRH. S. 19, 9. संपन्नप्रजाया भृताः (ग्रामाः) Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 10, Çl. 36. Am Ende eines adj. comp. RAGH. 8, 32. VID. 27. — 3) *Geburt Zeugung, Fortpflanzung*: प्रजायै मृत्यवे वत् RV. 10, 72, 9. प्रजायै वा नयामसि AV. 5, 23, 8. 14, 1, 17.

प्रजाकर (प्र० + 1. कर) m. bildl. Bez. *des Schwertes* H. Ç. 143. Es ist viell. प्रजाकर gemeint.

प्रजाकाम (प्र० + काम) adj. *Nachkommen wünschend* AV. 7, 17, 3. AIT. Br. 3, 7. ÇAT. Br. 1, 8, 2, 7. 2, 1, 2, 5. 5, 1, 7. KĀTJ. Çr. 4, 4, 1. 24, 2, 13. ĀÇV. Çr. 1, 10.

प्रजाकार (प्र० + 1. कार) m. *der Bildner der Geschöpfe*: प्रजापति HARIV. 538.

प्रजागर (von 3. गृ mit प्र) 1) nom. ag. *wachend*, Beiw. Vishṇu's MBu. 13, 7051. m. Wächter BŪG. P. 4, 27, 15. — 2) m nom. act. a) *das Wachen, Nichtschlafen, Aufpassen* HALĀJ. 2, 448. MBu. 1, 330. 502. 3, 281. 1483. 14725. ०स्य 14754. 5, 980. कृतस्व कामिनं चौरमाविशति प्रजागरः 933. प्रजागरः सर्वज्ञं ह्याविवेश 7, 2784. 8, 3764. 14, 1084. ÇĀK. 149. HIT. III, 110. BHAVISHJA-P. in Verz. d. Oxf. H. 31, a, 12. fg. तत्र प्रजागरः कर्तुमसर्वज्ञं शक्यते Spr. 2604. RĀGĀ-TAR. 6, 97. — b) *das Aufwachen, Erwachen*: प्रजागरेणास्य (राज्ञः) जगत्प्रवृध्यते KĀM. NĪTIS. 7, 58. — 3) f. घ्रा N. pr. einer Apsaras MBu. 3, 1785.

प्रजागरेण (wie eben) n. *das Wachsein, Schlaflosigkeit* Suçr. 1, 48, 21.

प्रजाघ्न (प्र० + घ्न) adj. f. ई *die Nachkommenschaft tödtend* PĀR. GRUJ. 1, 11, 1.

प्रजाचन्द्र (प्र० + च०) m. *ein Mond für die Unterthanen*, ehrendes Beiw. eines Fürsten, RĀGĀ-TAR. 4, 366. 6, 292.

प्रजात partic. 1) *erzeugt, geboren*; s. u. जन् mit प्र 1. — 2) *प्रजाता f. geboren habend* HALĀJ. 2, 345. Suçr. 1, 281, 17. 285, 13. Andere Belege s. u. जन् mit प्र 2. — 3) *qui semen immisit* KĀTJ. Çr. 20, 3, 20.

प्रजाति (von जन् mit प्र) 1) f. *Zeugung, das Gebären, Geburt, Fortpflanzung; Zeugungskraft* TBK. 3, 3, 3. AIT. Br. 3, 10. 8, 4. 11. प्रजानाम् ÇAT. Br. 3, 6, 2, 13. अग्नीषोमयोर्दत्तावती विभूतिः प्रजातिः 1, 6, 2, 23. अत्राग्नस्य AIT. Br. 5, 3. रेतो वै प्रजातिः ÇAT. Br. 14, 9, 2, 6. भूयसी मे प्रजातिर्भूत् 12, 4, 2, 7. स आत्मन्येव प्रजातिमाधत्त 11, 1, 2, 7. ०काम AIT. Br. 3, 48. ĀÇV. Çr. 9, 7. ÇĀKĪ. Br. 6, 1. KĀTJ. Çr. 22, 10, 13. प्रजा, प्रजन, प्रजाति TAHT. UP. 1, 9. 3, 10, 3. प्रजात्यानन्द BŪG. P. 2, 6, 7. अद्यापि काममेतं ते प्रजात्यै कर्वाण्यलम् 3, 14, 21. इति व्यवसिता विप्रास्तस्य राज्ञः प्रजातये 4, 13, 35. — 2) m. N. pr. eines Fürsten (प्रजानि VP.) MĀK. P. 118, 7, 9.

प्रजातिमत् (von प्रजाति) adj. *Worte enthaltend, welche sich auf Zeugung beziehen*: सृच् AIT. Br. 4, 7.

प्रजाद (प्र० + 1. द) 1) adj. *Nachkommenschaft verleihend*. — 2) f. घ्रा